[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8814 **F-4** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 2051203

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Name of the Paper : Hindi Upanyas

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गोदान कृषि संस्कृति का महाकाव्य है।' इस कथन पर विचार कीजिए।

अथवा

होरी का चरित्र-चित्रण कीजिए। (14)

2. "'सूरज का सातवां घोड़ा' विघटित होते मानव-मूल्यों की कथा है।" विचार कीजिए।

अथवा

'सूरज का सातवां घोड़ा' की संवाद योजना पर विचार कीजिए। (14)

3. 'आपका बंटी' सिर्फ़ बंटी की नहीं, बल्कि शकुन के जटिल चरित्र की भी कथा है। समीक्षा कीजिए।

अथवा

'आपका बंटी' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए। (14)

P.T.O.

4. किन्हीं दो अंशों की सप्रसंग व्याख्या करते हुए इनके रचना-कौशल पर विचार कीजिए।

(क) मुफ़्तखोरी ने हमें अपने अपंग बना दिया है। हमें अपने पुरुषार्थ पर लेशमात्र भी विश्वास नहीं। केवल अफ़सरों के सामने दुम हिला-हिला कर किसी तरह उनके कृपापात्र बने रहना और उनकी सहायता से अपनी प्रजा पर आतंक जमाना ही हमारा उद्यम है। पिछलग्गुओं की तरह खुशामद ने हमें इतना अभिमानी और तुनकमिज़ाज बना दिया है कि हममें शील, विनय और सेवा का लोप हो गया है।

(ख) हमारी ज़िंदगी में ज़ारा-सी पर्त उखाड़ कर देखों तो हर तरफ इतनी गंदगी और कीचड़ छिपा हुआ है कि सचमुच उसपर रोना आता है। लेकिन प्यारे बंधुओं, मैं इतना रो चूका हूँ कि अब आंख में आँसू आता ही नहीं, अत: लाचार होकर हँसना पड़ता है। एक बात और है - जो लोग भावुक होते हैं और सिर्फ रोते हैं, वे रो-धोकर रह जाते हैं, पर जो लोग हँसना सीख लेते हैं, वे कभी-कभी हँसते-हँसते उस ज़िंदगी को बदल डालते हैं।

(ग) इस घर में पापा मम्मी बन गये? नहीं, मम्मी नहीं बने, बल्कि पापा पापा भी नहीं रहे। दूर रहते थे तो लगता था, पापा बहुत पास हैं। पापा की हर चीज़ वह जानता है। पर पास रह कर लगता है,पापा को वह जानता नहीं। दूर रह ही कई बार उसने पापा को फ़ाइलों में डूबे हुए देखा है, ललाट पर तीन सल और खूब गंभीर चेहरा लिये हुए। कई बार वॉश-बेसिन पर शेव करते और नाश्ते की मेज़ पर अख़बार पढ़ते हुए पापा उसकी आंखों के सामने उभरे हैं, पर यहाँ जब पाप को मेज़ पर शेव करते हुए दीवान पर लेट कर अख़बार पढ़ते हुए देखता है तो ख़याल आता है, वे शायद टीटू के पापा थे। वह शायद डॉक्टर साहब थे। इन पापा को तो... (9+9)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए:

(क) 'गोदान' में अभिव्यक्त शहरी जीवन

(ख) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' शीर्षक की सार्थकता

(ग) 'आपका बंटी' में बाल-मनोविज्ञान (8+7)